इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 91

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियों को घटाने के बाद, बजट आबंटन इस प्रकार हैः

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	बजट 2004-2005			संशोधित 2004-2005			बजट 2005-2006		
		आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व		...	91.65	91.65	...	115.32	115.32	...	72.53	72.53
पूंजी		*15.00*	*73.89*	*88.89*	*15.00*	*74.89*	*89.89*	*15.00*	*2.00*	*17.00*
जोड़		**15.00**	**165.54**	**180.54**	**15.00**	**190.21**	**205.21**	**15.00**	**74.53**	**89.53**
1. सचिवालय-आर्थिक सेवाएं	3451	...	8.04	8.04	...	8.50	8.50	...	9.66	9.66
लौह और इस्पात उद्योग										
2 सरकारी उद्यमों को आयोजना- भिन्न ऋण										
2.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लि.	6852	...	71.89	71.89	...	71.89	71.89	...	...	...
2.02 बर्ड ग्रुप आफ कम्पनीज	6852	...	2.00	2.00	...	3.00	3.00	...	2.00	2.00
	जोड़	*...*	*73.89*	*73.89*	*...*	*74.89*	*74.89*	*...*	*2.00*	*2.00*
3. सब्सिडी										
3.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि. को सब्सिडी	2852	...	56.66	56.66	...	86.15	86.15	...	56.81	56.81
3.02 गारण्टी शुल्क माफ करने के लिए हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कन्सट्रक्शन लि. को सब्सिडी	2852	...	0.92	0.92	...	0.92	0.92	...	0.92	0.92
3.03 गारंटी फीस की माफी के लिए भारत रिफ्रैकट्रीज लि. को सब्सिडी	2852	...	0.24	0.24	...	0.54	0.54	...	0.54	0.54
3.04 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में भारतीय इस्पात प्राधिकरण को ब्याज सब्सिडी	2852	...	18.60	18.60	...	9.30	9.30	...	...	...
3.05 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों के संबंध में मैकान को ब्याज सहायता	2852	...	3.33	3.33	...	6.89	6.89	...	1.75	1.75
	जोड़	*...*	*79.75*	*79.75*	*...*	*103.80*	*103.80*	*...*	*60.02*	*60.02*
4. सरकारी उद्यमों में निवेश	4852	7.00	...	7.00	7.00	...	7.00	7.00	...	7.00
	6852	8.00	...	8.00	8.00	...	8.00	8.00	...	8.00
	जोड़	*15.00*	*...*	*15.00*	*15.00*	*...*	*15.00*	*15.00*	*...*	*15.00*
5. अन्य कार्यक्रम	2852	...	3.86	3.86	...	3.02	3.02	...	2.85	2.85
कुल जोड़		***15.00***	***165.54***	***180.54***	***15.00***	***190.21***	***205.21***	***15.00***	***74.53***	***89.53***
ख. सरकारी उद्यमों में निवेश	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
4.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.	12852	...	650.00	650.00	...	650.00	650.00	...	1030.00	1030.00
4.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि.	12852	...	300.00	300.00	...	174.00	174.00	...	896.00	896.00
4.03 स्पंज आयरन इंडिया लि.	12852	...	9.00	9.00	...	9.40	9.40	...	5.00	5.00
4.04 हिन्दुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लि.	12852	3.00	...	3.00	3.00	...	3.00	4.00	...	4.00
4.05 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लि.	12852	10.00	...	10.00	10.00	...	10.00	7.00	...	7.00
4.06 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लि.	12852	...	321.90	321.90	...	77.79	77.79	...	220.25	220.25
4.07 कुद्रेमुख लौह अयस्क कम्पनी लि.	12852	...	54.00	54.00	...	54.00	54.00	...	225.00	225.00
4.08 मैगनीज ओर इंडिया लि.	12852	...	20.00	20.00	...	34.41	34.41	...	34.21	34.21
4.09 बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज	12852	1.00	15.00	16.00	1.00	43.62	44.62	...	17.38	17.38

(करोड़ रुपए)

		बजट 2004-2005			संशोधित 2004-2005			बजट 2005-2006		
	विकास शीर्ष	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़	बजट समर्थन	आं.ब.बा.सं.	जोड़
4.10 मैकान लि.	12852	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	4.00	8.28	12.28
4.11 एम एस टी सी लि.	12852	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00
4.12 फेरो स्क्रैप निगम लि.	12852	...	11.50	11.50	...	11.50	11.50	...	10.00	10.00
4.13 अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मिशन	12852	...	60.00	60.00	...	60.00	60.00	...	...	...
जोड़		**15.00**	**1446.40**	**1461.40**	**15.00**	**1119.72**	**1134.72**	**15.00**	**2451.12**	**2466.12**
ग. आयोजना परिव्यय										
1. लोहा और इस्पात	12852	15.00	1446.40	1461.40	15.00	1119.72	1134.72	15.00	2451.12	2466.12

1. **सचिवालय का गैर-योजना व्यय** : इसके अंतर्गत प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय के व्यय से संबंधित हैं।

2. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को आयोजना-भिन्न ऋण** :

यह प्रावधान हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (i) सांविधिक देयताओं के भुगतान के लिए और (ii) बर्ड ग्रुप कंपनियां के संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए है।

3. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को सब्सिडियां**

हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेडः

3.01 स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वी आर एस) को कार्यान्वित करने के लिए बैंकों से लिए गए ऋणों पर ब्याज के भुगतान के लिए।

3.02 नकद साख और बैंक गारंटी के लिए भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी के गारंटी शुल्क को माफ करने के लिए।

3.03 भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः भारत सरकार द्वारा दी गई गारंटी के गारंटी शुल्क को माफ करने के लिए।

3.05 मेकॉन लिमिटेडः स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वी आर एस) को कार्यान्वित करने के लिए कंपनी द्वारा लिए गए ऋणों पर 50% ब्याज के भुगतान के लिए।

4. **सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में निवेश**

इस्पात मंत्रालय के प्राासनिक नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए इन उपक्रमों को इक्विटी निवेश और ऋणों के जरिए बजटीय सहायता दी जाती है।

4.01 ***स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेडः*** इसके नियंत्रणाधीन 6 प्रमुख इस्पात संयंत्र हैं जो बोकारो, भिलाई, राउरकेला, दुर्गापुर, सालेम, और दुर्गापुर स्थित मिश्र इस्पात संयंत्र हैं। सेल की दो सहायक कंपनियां हैं जिनमें से एक इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड (इस्को) है जिसका बर्नपुर में एक एकीकृत इस्पात संयंत्र है और दूसरी कंपनी महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेड है जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है। सेल संयंत्रों/इकाइयों तथा इसकी सहायक कपनियों के योजना व्यय को आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) **बोकारो इस्पात संयंत्रः** इसमें शामिल प्रमुख योजनाएं धमन भट्टी (बी एफ)-5 में सी डी आई की स्थापना तथा अन्य चल रही, पूरी कर ली गई और संवर्धन, संशोधन तथा प्रतिस्थापन (ए एम आर) योजनाएं हैं।

(ii) **भिलाई इस्पात संयंत्रः** परिव्यय में कोक ओवन बैट्री संख्या-5, विद्युत संयंत्र नं. 1 में 15 मेगावाट टर्बोजेनरेटर की मरम्मत, ए एम आर योजनाओं पर व्यय तथा पूरी हो गई योजनाओं के ठेके की समाप्ति के लिए शेष भुगतान ाामिल है।

(iii) **राउरकेला इस्पात संयंत्रः** परिव्यय में धमन भट्टी संख्या-4 की बड़े पैमाने पर मरम्मत, कोक ओवन बैटरी संख्या-1 की मरम्मत, एस पी संख्या-1 की मरम्मत और अन्य चल रही तथा ए एम आर योजनाएं शामिल हैं।

(iv) **दुर्गापुर इस्पात संयंत्रः** परिव्यय में शामिल प्रमुख योजनाएं संबद्ध सुविधाओं सहित ब्लूम कास्टर, पुराने विद्युत संयंत्र में टी ए-1,2,3, का प्रतिस्थापन, ए एम आर योजनाएं तथा पूरी ली गई और चल रही अन्य योजनाएं हैं।

(v) **मिश्र इस्पात संयंत्रः परिव्यय में मुख्यतः** आर्गोन ऑक्सीजन डीकार्बोराइजेशन, इलैक्ट्रिक आर्क फर्नेस और लैडलों की शिफ्टिंग से संबंधित व्यय शामिल है।

(vi) **सालेम इस्पात संयंत्रः** प्रावधान मुख्यतः एडिशनल रोल ग्राइंडिंग मशीन और अन्य चल रही योजनाओं के लिए है।

(vii) **विश्वैश्वरैया आयरन एंड स्टील लिमिटेडः** परिव्यय में चल रही योजनाओं पर होने वाला व्यय शामिल है।

(viii) **इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेडः** प्रावधान पुनर्वास योजनाओं और अनुषंगी सुविधाओं सहित एक नए बॉक्स वैगन टिप्लर के लिए है।

(ix) **महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मैल्ट लिमिटेडः** प्रावधान 33 एम वी ए फर्नेस-चरण-1 की स्थापना के लिए है।

4.02 ***राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेडः*** प्रमुख कच्ची सामग्री स्रोतों से दूर और तत्कालीन सोवियत रूस से तकनीकी और वित्तीय सहायता से स्थापित भारत का यह पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। तट आधारित होने के कारण इसे यह फायदा है कि यह अवदान सामग्री का आयात और तैयार उत्पादों का निर्यात आसानी से कर सकता है। इस परियोजना की सभी इकाइयों को जुलाई, 1992 तक चालू कर दिया गया था। इस्पात संयंत्र की अनुमोदित अंतिम लागत 8529.13 करोड रूपए थी। परिव्यय का प्रावधान कोक ओवन बैटरी संख्या-4, विस्तार योजनाओं, एस एम एस में डीगैसिंग सुविधाओं, ए एम आर योजनाओं, बस्ती और अन्य चल रही तथा नई योजनाओं के लिए है। प्रस्तावित परिव्यय को कंपनी के आंतरिक संसाधनों से पूरा किया जाएगा।

4.03 ***स्पंज आयरन इंडिया लिमिटेडः*** स्पंज आयरन संयंत्र को लम्प लौह अयस्क और 100/% गैर कोकिंग कोयले से स्पंज लोहे के उत्पादन की प्रौद्योगिक - आर्थिक व्यवहार्यता स्थापित करने के लिए यू एन डी पी/यूनिडो की सहायता से स्थापित किया गया था। इस इकाई का नियमित प्रचालन नवंबर, 1980 में शुरू किया गया था और इसे उत्पादन तथा अनुसंधान एवं विकास, दोनों के लिए रूपांकित किया गया है। परिव्यय की आवयकता नई योजनाओं, ए एम आर योजनाओं, बस्ती और अनुसंधान एवं विकास के लिए है। इसके लिए कोई बजटीय सहायता नहीं मांगी गई है।

4.04 ***हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्न लिमिटेडः*** 1964 में निगमित इस कंपनी को आधुनिक इस्पात संयंत्रों का पूरा निर्माण कार्य करने और अवसंरचना के क्षेत्र में उन परियोजनाओं से संबंधित कार्य करने की विशेषज्ञता हासिल है जिनके लिए उच्च स्तर की आयोजना, समन्वय और आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों की आवयकता होती है। यह प्रावधान निर्माण उपस्करों की खरीद और मौजूदा उपस्करों/मशीनों की मरम्मत और विभिन्न निर्माण स्थलों पर कार्य करने के लिए संबद्ध पूंजीगत व्ययों के लिए है। पूरे योजना परिव्यय को बजटीय सहायता से पूरा किया जाना है।

4.05 ***भारत रिफ्रैक्ट्रीज लिमिटेडः*** इसके नियंत्रणाधीन चार इकाइयाँ हैं अर्थात् भंडारीदह रिफ ैक्ट्रीज संयंत्र, रांची रोड रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र, भिलाई रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र और इफिको रिफ्रैक्ट्रीज संयंत्र नामक चार इकाइयां हैं। यह प्रावधान ए एम आर

Website: http://indiabudget.nic.in

योजनाओं के लिए किया गया है और इसे पूरी तरह से बजटीय सहायता से पूरा किया जाना है।

4.06 ***नेशनल मिनरल डिवेलपमेंट कॉरपोरेशनः*** एन एम डी सी देश का लौह अयस्क और हीरों का एक मात्र सबसे बड़ा उत्पादक है। कंपनी फैरिक ऑक्साइड और लौह चूर्ण आदि जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन भी शुरू कर रही है। एम एम डी सी के योजना परिव्यय का प्रावधान एन एम डी सी आयरन एंड स्टील प्लांट और बैलाडिला निक्षेप 10/11ए जैसी चल रही योजनाओं, कुमारस्वामी चरण-1 और दो तथा निक्षेप 11-बी जैसी नई योजनाओं, ए एम आर योजनाओं, बस्ती, अनुसंधान एवं विकास तथा भारत और विदेश में व्यवहार्यता अध्ययन करने के लिए किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

4.07 ***कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेडः*** कुद्रेमुख आयरन ओर कंपनी लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रण का उत्पादन करने के लिए की गई थी। ईरान द्वारा करार के अनुसार लौह अयस्क सांद्रण को लेने की असमर्थता के परिणामस्वरूप 30 लाख टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए एक पैलेट संयंत्र लगाने को मई, 1981 में मंजूर किया गया था। 116.65 करोड़ रूपए की लागत से कार्यान्वित हुई इस परियोजना में वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में ुरू किया गया था। यह प्रावधान खान विकास और लौह अयस्क को रेल के जरिए प्राप्त करने के लिए अवसंरचना विकास जैसी चल रही योजनाओं, ए एम आर योजनाओं तथा व्यवहार्यता अध्ययन के लिए है। परिव्यय को बगैर किसी बजटीय सहायता के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

4.08 ***मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेडः*** मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार और मध्य प्रदेश तथा महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी है। यह देश की मैंगनीज अयस्क की सबसे बड़ी उत्पादक है। लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रो लाइटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू करके विविधीकरण किया है। यह प्रावधान बालाघाट में एकीकृत सज्ञीकरण संयंत्र और गमगॉव खान में नई वर्टीकल साफ्ट की सिंकिंग, ए एम आर योजनाओं, बस्तियों और अनुसंधान एवं विकास/व्यवहार्यता अध्ययन के लिए किया गया है। पूरे परिव्यय को कंपनी के आंतरिक एवं अतिरिक्त बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

4.09 ***बर्ड ग्रुप कंपनियां*** : अक्टूबर, 1980 में भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित बर्ड ग्रुप कंपनियां प्रमुख रूप से खनन से संबंधित कार्य और गहरे नल कूप लगाने और खनिज उत्खनन से संबंधित कार्य करती हैं। अयस्क सज्ञीकरण/स्पंज लौह अयस्क, ए एम आर योजनाओं और वन रोपण से संबंधित व्यय के लिए प्रावधान किया गया है। इस परिव्यय का आंकि रूप से वित्त पोषण बजटीय सहायता से किया जाएगा।

4.10 ***मेकॉन लिमिटेडः*** यह आई एस ओः 9001 प्राप्त देश की प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है। यह कंपनी न केवल बेसिक इंजीनियरी, विस्तृत इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन आदि के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं प्रदान करती है वरन् लौह, अलौह, तेल और गैस, पेट्रो-रसायन और अन्य सामान्य उद्योगों के लिए उपस्करों के डिजाइन और आपूर्ति में पर्याप्त विशेषज्ञता का भी विकास किया है। सूचना प्रौद्योगिकी और कंप्यूटरों की अधिप्राप्ति के लिए प्रावधान किया गया है। योजना परिव्यय का वित्तपोषण बजटीय सहायता के जरिए किया जा रहा है।

4.11 ***एम एस टी सी लिमिटेडः*** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो लौहा स्क्रैप और एकीकृत इस्पात संयंत्रों में उत्पादन से उत्पन्न अन्य द्वितीयक सामग्रियों के निपटान और अन्य सरकारी क्षेत्र के उद्यमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और अधिशेष भंडारों के निपटान का कार्य करती है। कैनालाइजेशन समाप्त कर दिए जाने के पचात् कंपनी के पास कोई कैनालाइजड मद नहीं है और यह निजी क्षेत्र के साथ प्रतियोगिता के अन्तर्गत वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ-साथ स्क्रैप आयात का कार्य करती है। स्टॉकयार्ड और भण्डारागार सुविधाओं की स्थापना करने के लिए व्यवस्था की गई है। योजना परिव्यय को कंपनी के आंतरिक और अतिरिक्त बजटीय स्रोतों से पूरा किया जा रहा है।

4.12 ***फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेडः*** एफ एस एन एल, जो पहले एम एस टी सी लि. और मै. हार्सको कोरपोरेशन इंक. यू एस ए की एक संयुक्त क्षेत्र की कंपनी थी, अब एम एस टी सी लि. की 100 प्रतिात सहायक कंपनी बन गई है जिसमें एम एस टी सी द्वारा मै. हार्सको द्वारा धारित 40% इक्विटी शेयर हैं। कंपनी दुर्गापुर, राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो विशाखापट्टणम और डोल्वी में स्थित इस्पात संयंत्र से स्क्रैप की पुनः प्राप्ति और प्रक्रमण का कार्य करती है। स्लैग के प्रक्रमण और डम्पों से लोहे और इस्पात का पुनः संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर होना पड़ता है। कंपनी के आंतरिक और बाह्य बजटीय स्रोतों से जुटाई जाने वाली ए एम योजनाओं से संबंधित व्यय को आयोजना परिव्यय से पूरा किया जा रहा है।

4.13 ***अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी मिशनः*** आर एंड टी मिशन, इस्पात संयंत्रों, शैक्षिक संस्थाओं और अनुसंधान प्रयोगाालाओं द्वारा किए जा रहे लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान और विकास संबंधी कार्यों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है। अनुसंधान और विकास प्रस्तावों का वित्तपोषण करने के लिए प्रावधान किया गया है और इसे इस्पात विकास निधि से पूरा किया जाना है।

5. अन्य कार्यक्रमः इसमे मंत्रालय के एक संबद्ध कार्यालय, लोहा और विकास आयुक्त कार्यालय, कोलकात्ता पर होने वाला स्थापना व्यय और प्रख्यात धातु वैज्ञानियों को वार्षिक रूप से दिए जाने वाले पुरस्कारों पर होने वाला व्यय शामिल है।